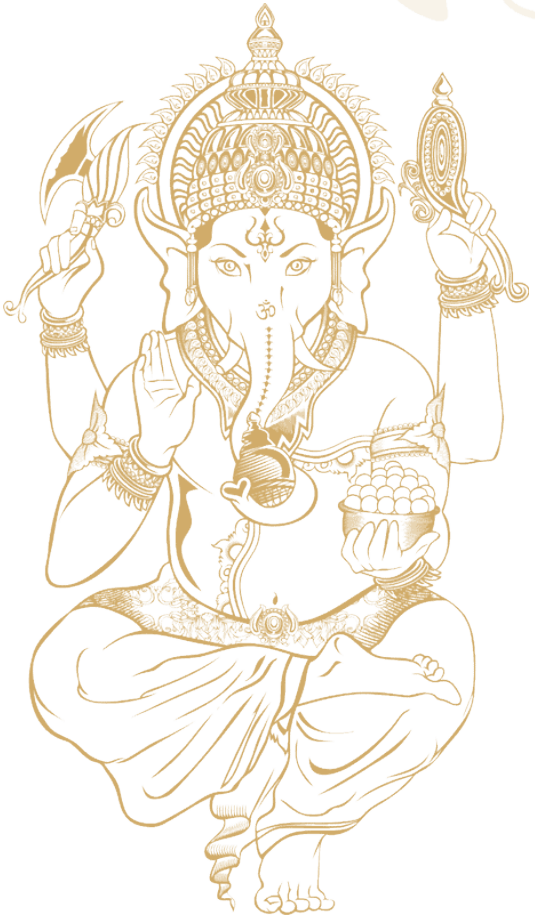

Lalita

22 Aug 2000

07:20 AM

Vijayanagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121678809

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22/08/2000**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**07:20:00 घंटे**
इष्ट	02:53:57 घटी
स्थान	**Vijayanagar**
देश	India

अक्षांश	15:20:00 उत्तर
रेखांश	76:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:56:00 घंटे
वेलान्तर	-00:02:51 घंटे
साम्पातिक काल	04:58:44 घंटे
सूर्योदय	06:10:25 घंटे
सूर्यास्त	18:42:53 घंटे
दिनमान	12:32:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	05:25:00 सिंह
लग्न के अंश	21:15:10 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ध्रुव
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोचन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	21:15:10	349:04:40	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			सिंह	05:25:00	00:57:48	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			मेष	26:23:43	13:35:29	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	सम राशि
मंगल			कर्क	19:39:47	00:38:22	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	नीच राशि
बुध		अ	सिंह	05:26:54	01:59:12	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मित्र राशि
गुरु			वृष	15:02:03	00:06:57	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	24:59:49	01:13:42	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
शनि			वृष	06:42:28	00:02:16	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	00:11:17	00:01:00	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	00:11:17	00:01:00	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	24:33:18	00:02:20	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप	व		मक	10:39:40	00:01:26	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:17:26	00:00:02	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			वृष	22:01:51	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:42

लग्न-चलित

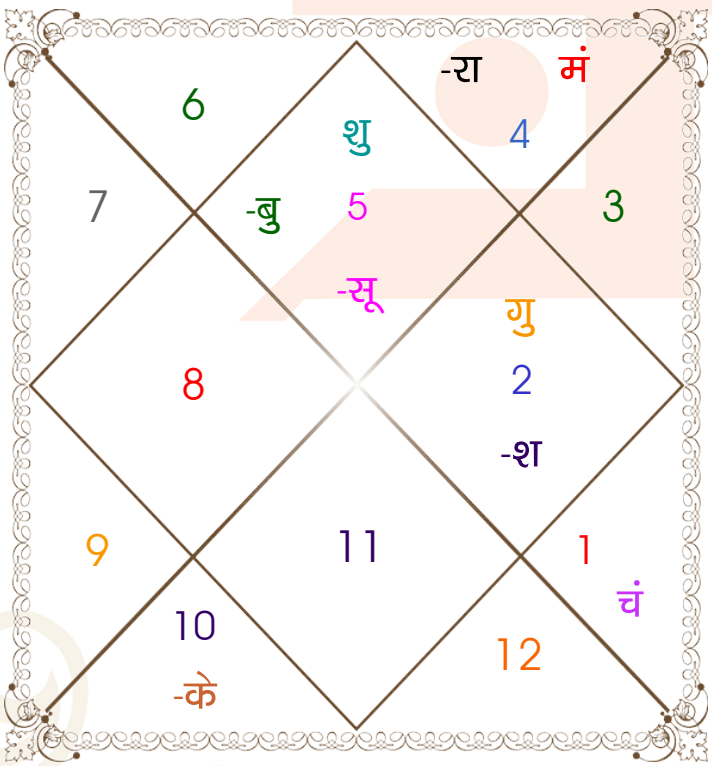

चन्द्र कुंडली

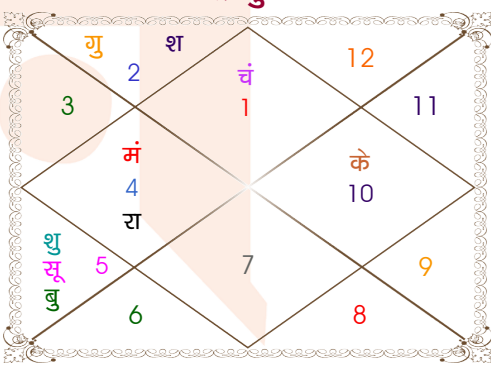

नवमांश कुंडली

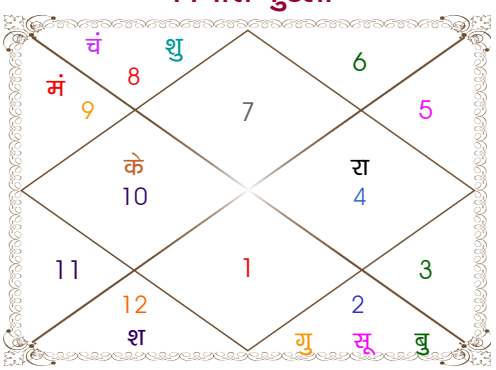

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 0 वर्ष 4 मास 26 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
22/08/2000		17/01/2001		18/01/2007		17/01/2017		18/01/2024	
17/01/2001		18/01/2007		17/01/2017		18/01/2024		18/01/2042	
	00/00/0000	सूर्य	07/05/2001	चंद्र	18/11/2007	मंगल	16/06/2017	राहु	30/09/2026
	00/00/0000	चंद्र	06/11/2001	मंगल	18/06/2008	राहु	04/07/2018	गुरु	23/02/2029
	00/00/0000	मंगल	14/03/2002	राहु	18/12/2009	गुरु	10/06/2019	शनि	31/12/2031
	00/00/0000	राहु	05/02/2003	गुरु	19/04/2011	शनि	19/07/2020	बुध	19/07/2034
	00/00/0000	गुरु	24/11/2003	शनि	18/11/2012	बुध	16/07/2021	केतु	07/08/2035
	00/00/0000	शनि	05/11/2004	बुध	19/04/2014	केतु	12/12/2021	शुक्र	07/08/2038
	00/00/0000	बुध	12/09/2005	केतु	18/11/2014	शुक्र	11/02/2023	सूर्य	01/07/2039
	22/08/2000	केतु	18/01/2006	शुक्र	19/07/2016	सूर्य	19/06/2023	चंद्र	30/12/2040
केतु	17/01/2001	शुक्र	18/01/2007	सूर्य	17/01/2017	चंद्र	18/01/2024	मंगल	18/01/2042

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/01/2042		18/01/2058		17/01/2077		18/01/2094		18/01/2101	
18/01/2058		17/01/2077		18/01/2094		18/01/2101		23/08/2120	
गुरु	07/03/2044	शनि	21/01/2061	बुध	16/06/2079	केतु	16/06/2094	शुक्र	20/05/2104
शनि	18/09/2046	बुध	01/10/2063	केतु	12/06/2080	शुक्र	16/08/2095	सूर्य	20/05/2105
बुध	24/12/2048	केतु	08/11/2064	शुक्र	13/04/2083	सूर्य	22/12/2095	चंद्र	19/01/2107
केतु	30/11/2049	शुक्र	09/01/2068	सूर्य	18/02/2084	चंद्र	22/07/2096	मंगल	20/03/2108
शुक्र	31/07/2052	सूर्य	21/12/2068	चंद्र	19/07/2085	मंगल	18/12/2096	राहु	21/03/2111
सूर्य	19/05/2053	चंद्र	22/07/2070	मंगल	16/07/2086	राहु	06/01/2098	गुरु	19/11/2113
चंद्र	18/09/2054	मंगल	31/08/2071	राहु	02/02/2089	गुरु	12/12/2098	शनि	18/01/2117
मंगल	25/08/2055	राहु	07/07/2074	गुरु	11/05/2091	शनि	21/01/2100	बुध	19/11/2119
राहु	18/01/2058	गुरु	17/01/2077	शनि	18/01/2094	बुध	18/01/2101	केतु	23/08/2120

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 0 वर्ष 4 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगी।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाली हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करती हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगी। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगी तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगी तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगी। आपको एक स्थान से अन्य भीड़ भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करती हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

अपने समझदार पति एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पति एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपने जीवन संगी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगी। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य पुरुष को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपने पति को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहती हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगी। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो आपको अपनी वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगी तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगी। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति की महिला हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखती तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगी। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सकी तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकती हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।